International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 7 Issue 12, December 2017,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

सांभर के नमक उद्योगो मे श्रमिकों की स्थिति

डॉ. शिखा चौहान
अस्सिटेन्ट प्रोफेसर, एस.एस.जी. पारीक पी.जी. गर्ल्स कालेज जयपुर

सांराश –: राजस्थान मे खारे पानी की झीलों की उपस्थिति के कारण यहाँ नमक उद्योग विकसित हुआ है। नमक उद्योग एक श्रम आधारित उद्योग है। नमक श्रमिकों का जीवनस्तर निम्न है। अधिकांश श्रमिक बिना किसी सुरक्षात्मक उपकरणों के 8–10 घंटे नमक क्षेत्र मे काम करते है। जिस कारण वे कई भयंकर रोगो से ग्रसित हो जाते है, जिससे इनकी औसत आयु मे काफी कम हो गयी है।

शब्दावली –: रोजगार, स्वास्थ्य, निम्न जीवन स्तर, उपकरण

राजस्थान भारत के उत्तर पश्चिम में स्थित है। यहाँ की जलवायु व भूआकृति के प्रभाव के फलस्वरूप यहां खारे पानी की झीलें निर्मित हुयी हैं। जिनमें नमक का उत्पादन किया जाता है। राजस्थान में नमक उत्पादन के केन्द्र सांभर, डीडवाना, पचपदरा व लूणकरणसर, नावा, तालछापर, कुचामन, फलौदी, पोकरण, डेगाना, रेवासा है। राजस्थान में खारे पानी की झीलों की उपस्थिति के कारण यहाँ नमक उद्योग का विकास हुआ है। यह राज्य का एक प्रमुख रसायनिक उद्योग है। भारत में समुद्री जल से उत्पादित नमक के अतिरिक्त नमक उत्पादन में राजस्थान का महत्व है। राजस्थान में देश का लगभग 10 प्रतिशत नमक उत्पादित किया जाता है।

सांभर झील नमक उत्पादन मे राजस्थान मे अपना प्रथम स्थान रखती है। जयपुर जिले में जयपुर शहर से लगभग 65 कि.मी. पश्चिम में स्थित सांभर झील भारत की खारे पानी की प्रमुख झील है। इसका कुल क्षेत्रफल 150 वर्ग कि.मी. है तथा इसका जलग्रहण क्षेत्र 2500 वर्ग कि.मी. मे फैला है। यह एक अवसाद युक्त आतरांयिक झील है जिसमें वर्षा के समय जल आता है जिसे एकत्रित कर लिया जाता है यहाँ वर्षा 15 जून से 15 सितम्बर के मध्य होती है। यहाँ वर्षा का औसत लगभग 20 सेन्टीमीटर रहता है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 7 Issue 12, December 2017,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

सांभर झील एक आतरांयिक झील है अतः इसमें चार प्रमुख जल धाराएँ रूपनगर, मेघना, खारी और खंडेला मौसमी नदियाँ भी अपना जल गिराती हैं। यहाँ की जलवायु उष्ण व शुष्क है।

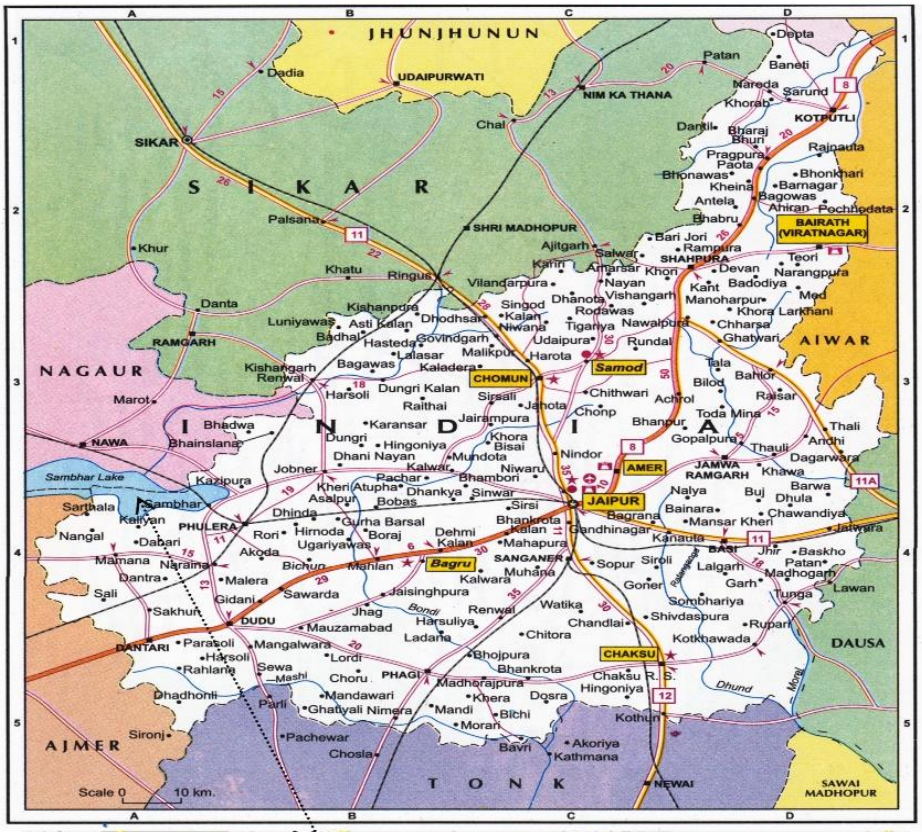

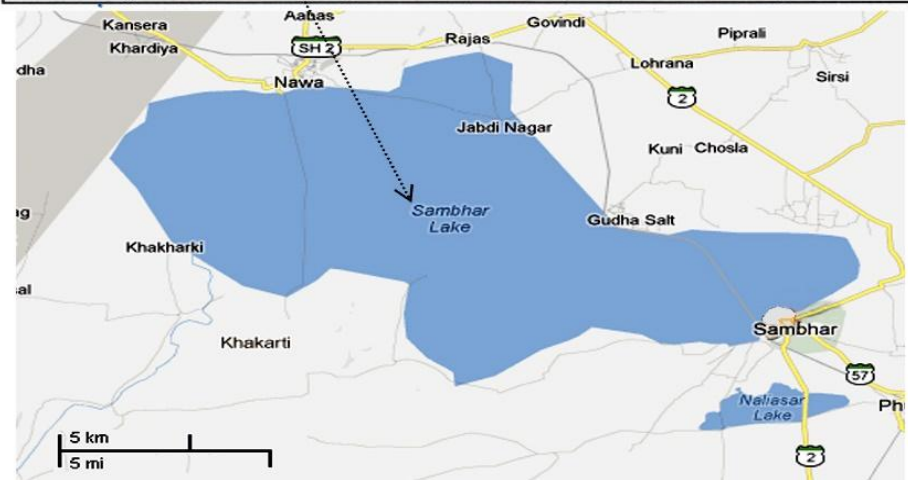

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 7 Issue 12, December 2017,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

अतः इस झील का जल वाष्पीकृत होता रहता है जैसे–जैसे यह जल वाष्पीकृत होता है झील में नमक की परत जमती जाती है तथा इसके लिए क्यारियाँ तैयार की जाती हैं जिसमें नमक एकत्रित किया जाता है। प्राचीनकाल से यहाँ नमक तैयार करने का कार्य स्थानीय रूप से होता आ रहा है किन्तु 1960 से यहाँ वैज्ञानिक पद्धति से नमक बनाया जा रहा है इसके लिए भारत सरकार के प्रतिष्ठान सांभर साल्ट्स लिमिटेड की स्थापना की गई है यहाँ प्रतिवर्ष तीन लाख टन उत्पादित किया जाता है।

उद्देश्य

(1) सांभर के नमक श्रमिकों के आर्थिक–सामाजिक स्तर का अध्ययन।

(2) सांभर के नमक श्रमिकों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन।

विधि तंत्र

यह शोध पत्र प्राथमिक व द्वितीयक दोनों प्रकार के आँकड़ों के संग्रहण पर आधारित है। प्राथमिक आँकड़ों के लिए 90 नमक श्रमिक परिवारों का यादृच्छिक प्रतिचयन विधि द्वारा चयन कर आँकड़े संकलित किये गये हैं। द्वितीयक आँकड़े विभिन्न सरकारी कार्यालयों,

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 7 Issue 12, December 2017,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

गैर सरकारी संस्थाओं, पत्र–पत्रिकाओं, वार्षिक रिपोर्ट एवं वेबसाइट आदि से एकत्रित किये हैं।

विश्लेषण

(1) सांभर के नमक श्रमिकों के आर्थिक–सामाजिक स्तर का अध्ययन

प्रस्तुत शोध में सांभर उत्पादन क्षेत्र से जुड़े श्रमिकों की आर्थिक–सामाजिक समस्याओं को उजागर किया गया है। सांभर में लगभग 64 प्रतिशत नमक श्रमिक पूर्ण गरीबी में जीवन यापन कर रहे हैं। अधिकांश श्रमिक अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ी जातियों से सम्बन्धित हैं।

- प्रायः इनकी मासिक प्रति व्यक्ति आय 3000 रूपये से 8000 रूपये के बीच रहती है। यहाँ नमक श्रमिकों की मजदूरी में मौसम के अनुसर उतार चढ़ाव आता रहता है।

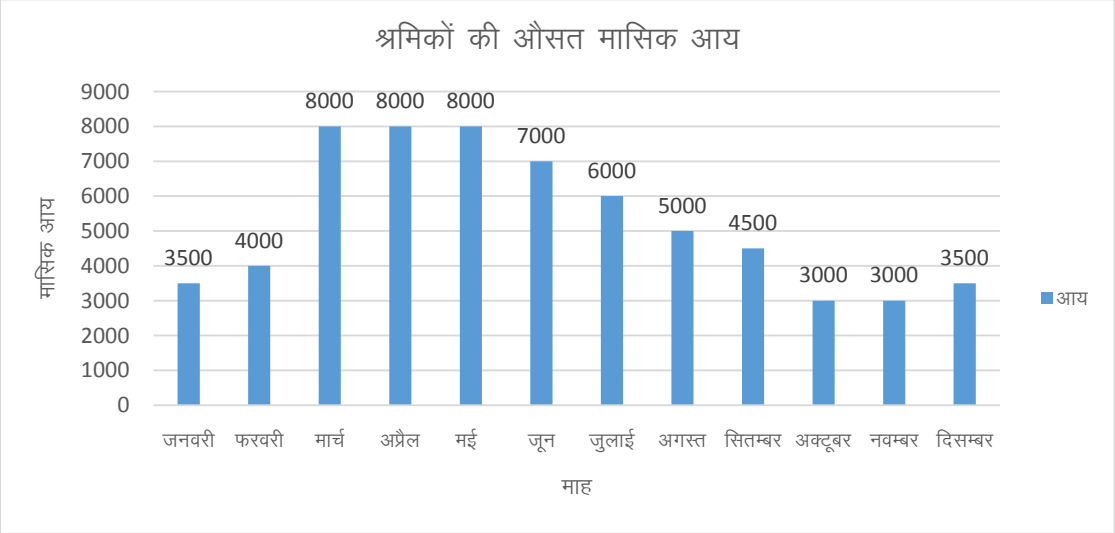

- राजस्थान में नमक उत्पादन का मौसम 8–10 महीने तक का होता है। नमक तैयार करने का काम अगस्त माह के अन्त में (मानसून समाप्त होने के बाद) शुरू होता है। मार्च से मई तक नमक उत्पादन सर्वाधिक होता है। मानसून के आगमन में देरी होने पर नमक उत्पादन का कार्य जून माह तक किया जाता है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 7 Issue 12, December 2017,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

- पीक सीजन में मजदूरों की माँग बढ़ने पर मजदूरी में भी तीव्र वृद्धि होती है जब नमक का उत्पादन नहीं होता है तब ये श्रमिक कृषि कार्यों व पशुपालन के माध्यम से आय प्राप्त करते हैं।

- यहां नमक उत्पादन यहां के मौसम की स्थिति पर निर्भर करता है चूंकि इस क्षेत्र में वर्षा अनियमित तथा अनिश्चित होती है जिस कारण यहाँ सूखे की स्थिति भी पैदा हो जाती है परिणामस्वरूप नमक उत्पादन के साथ–साथ कृषि उत्पादन और पशु उत्पादन भी प्रभावित होते हैं। इस क्षेत्र में पेयजल की समस्या भी गंभीर बनी हुई है। झील के निकटवर्ती क्षेत्र होने के कारण यहाँ भूमिगत जल में भी उच्च फ्लोराइड की मात्रा पाई जाती है। उपरोक्त कारणों व स्थितियों के फलस्वरूप अधिकांशः नमक श्रमिक अनिश्चितता, जोखिम और तनावपूर्ण जीवन व्यतीत करते हैं।

- नमक उत्पादन के समय प्रवासी मजदूरों की संख्या में भी बढ़ोतरी होती है। कुल श्रमिकों में लगभग 28 प्रतिशत प्रवासी श्रमिक सांभर में रहते हैं प्रवास के आधार पर इन्हें तीन वर्गों में वर्गीकृत किया गया है–

  1. अन्तरग्राम प्रवास– 52 प्रतिशत,
  2. अन्तरजिला प्रवास–46 प्रतिशत,
  3. अन्तर्राजीय प्रवास–2 प्रतिशत।

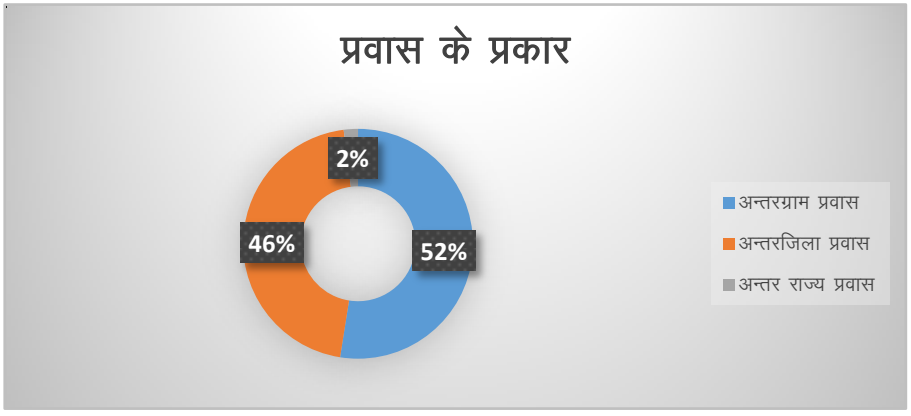

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 7 Issue 12, December 2017,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

नमक श्रमिकों के परिवार प्रायः बड़े आकार के पाये गये हैं जिनमें अधिक आय प्राप्ति के लिए परिवार में दो या दो से अधिक लोग मजदूरी करते हैं। परिवारों का निर्भरता अनुपात भी अधिक रहता है अतः श्रमिक अधिक बचत नहीं कर पाते हैं, इसलिए उनका जीवन स्तर भी निम्न बना रहता है तथा यहा लोग विभिन्न प्रकार के दुर्व्यसनों से ग्रस्त हो जाते हैं। अतः सर्वेक्षण के दौरान नमक श्रमिकों के परिवारों में अनेक सामाजिक–आर्थिक समस्याएं पाई गई हैं जैसे निम्न जीवन स्तर, रोजगार प्राप्ति के लिए स्कूल छोड़ना, परिवारों में संघर्ष (पारिवारिक झगड़े) असुरक्षा (चोरी, शराब सेवन, बाल अपराध, वैश्यावृत्ति, मानव विस्थापन, खराब काम करने की स्थिति, अनैतिकता की बढ़ती हुयी दर इत्यादि। सांभर में लिंगवार श्रमिकों का प्रतिशत भी भिन्न–भिन्न पाया गया है।

सांभर में लिंगवार श्रमिकों का प्रतिशत भी भिन्न–भिन्न पाया गया है। सांभर में पुरूष श्रमिकों में 52 प्रतिशत (18 वर्ष से कम आये के), 46 प्रतिशत 18–60 वर्ष के मध्य आयु वर्ग के तथा लगभग 2 प्रतिशत 60+ आयु वर्ग के हैं। जबकि महिलाओं में 45.72 प्रतिशत 18 वर्ष से कम, 50 प्रतिशत 18–60 वर्ष की आयु वर्ग तथा 5 प्रतिशत 60+ आयु वर्ग से सम्बन्धित हैं।

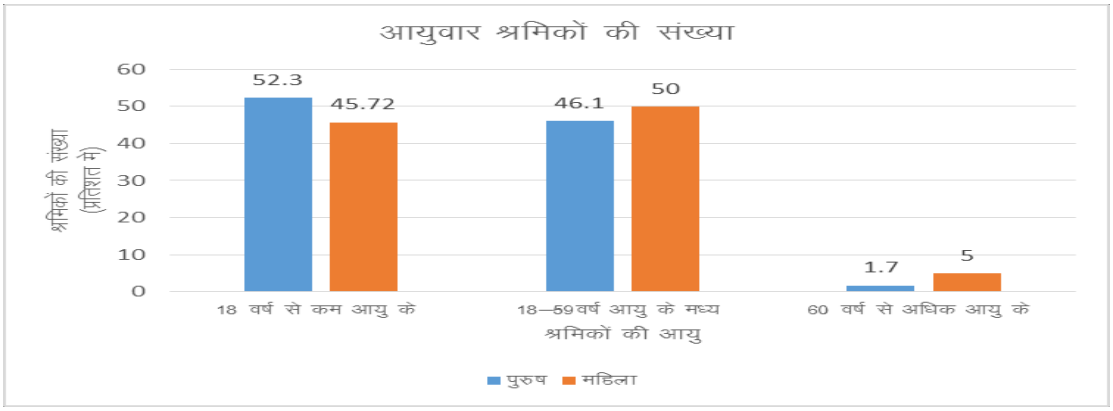

उपरोक्त आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि व्यस्कता तक पहुंचने पर पुरूषों की जीवन प्रत्यक्ष (अर्थात् जीवित रहने की सम्भावना) महिलाओं की तुलना में कम हो जाती है। जो एक चिंता का विषय है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 7 Issue 12, December 2017,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

प्रायः नमक क्षेत्र इस क्षेत्र के श्रमिकों की आय का प्रमुख स्त्रोत है परन्तु यह रोजगार के साथ अनेकों भयंकर बिमारियों का कारण भी है। जिस कारण अधिकांश श्रमिक कम आयु में मृत्यु को प्राप्त हो जाते हैं।

(2) सांभर के नमक श्रमिकों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन

- राजस्थान में उद्योग असंगठित क्षेत्र का उद्योग है। नमक उद्योग श्रम आधारित उद्योग है। अतः कार्य जोखिम के आधार पर नमक श्रमिकों को दो भागों में बांटा जा सकता है। पहले वे श्रमिक जो लवणीय पानी के सीधे सम्पर्क में आकर कार्य करते हैं अर्थात् नमक की क्यारियों में कार्य करते हैं। ये श्रमिक लवणीय जल के सीधे सम्पर्क में आने के कारण यह विभिन्न प्रकार के त्वचा सम्बन्धी रोगों से ग्रसित हो जाते हैं इनके हाथों व पैरों में गहरे घाव हो जाते हैं, त्वचा गल सी जाती है, शरीर पर मोटे चकते उभर आते हैं, उच्च फ्लोराइड युक्त पानी के प्रभाव से पैरों के जोड़ों में दर्द व हड्डियों में विकृति आ जाती है तथा तेज धूप में कार्य करने के कारण अंधेपन की समस्या भी हो जाती है।
- दूसरे वे श्रमिक जो छिछले और प्रसंस्करण इकाइयों में कार्य करते हैं सूखे नमक की धूल के कारण इन्हें श्वसन सम्बन्धी व फेफड़ों से सम्बन्धित रोग अधिक हो जाते हैं गले में सूखापन, आंखों में पानी आना, बदन दर्द की समस्या प्रायः सामान्य पायी जाती है।

नमक श्रमिकों मे दाँतो व पैरो मे होने वाली सामान्य बिमारीयाँ

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 7 Issue 12, December 2017,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

- नमक उत्पादन क्षेत्र में कार्यरत 190 श्रमिकों के स्वास्थ्य सम्बन्धी आँकड़ें एकत्रित किये गये। सर्वेक्षण के दौरान पाया गया कि 29.5 प्रतिशत श्रमिक ही सुरक्षात्मक उपकरणों का प्रयोग करते हैं जबकि 58.5 प्रतिशत श्रमिक आर्थिक रूप से सक्षम न होने के कारण सुरक्षात्मक उपकरणों का प्रयोग नहीं कर पाते हैं।

नमक श्रमिकों मे दाँतो व पैरो मे होने वाली सामान्य बिमारीयाँ

16%	नेत्र सम्बन्धी विकार	58%	आँखों में जलन
45%	गले का सूखापन	19%	त्वचा फटना
70%	पैरों में छाले	21%	सूखे पैर और खुजली
2%	अत्यधिक पसीना	13%	उच्च रक्तचाप
65%	हाथों में छाले	73%	आँखों में पानी आना
38%	सांस लेने में कठिनाई	80%	बदन दर्द

अधिकांश श्रमिक बिना किसी सुरक्षा उपकरण के 8–10 घंटे नमक क्षेत्र में काम करते हैं जिस कारण वे कई भयंकर रोगों से ग्रसित हो जाते हैं जिससे इनकी औसत आयु में काफ कमी हो गयी है।

निष्कर्ष :–

नमक उद्योग एक श्रम आधारित उद्योग है। अतः श्रमिकों की सुरक्षा पर विशेष रूप से ध्यान देना आवश्यक है। इसके लिए श्रमिकों को मानक गुणवता के सुरक्षात्मक उपकरण आवश्यक रूप से उपलब्ध कराये जाने चाहिए। सरकार द्वारा यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि उत्पादन इकाइयों में श्रमिकों के स्वास्थ्य सम्बन्धी उचित सुविधाएं उपलब्ध हों।

- यहाँ पर कुटीर व लघु उद्योगों की स्थापना की जानी चाहिए जिससे श्रमिकों को अतिरिक्त आय प्राप्त हो।
- श्रमिकों को सुरक्षात्मक उपकरणों व सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं के प्रति जागरूक किया जाना चाहिए।

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

- एस.सी. अग्रवाल, The salt Industry in India
- वार्षिक रिपोर्ट (2016), श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार
- एल.आर. भल्ला, राजस्थान का वृहद् भूगोल, कुलदीप पब्लिकेशन।